

कानुड़ा थारी लागे छवि प्यारी
बिरज म बाँसुरी बाज़ी

मीरां महला उतरी रे छापा तीलक लगाय
बतलाई बोल नहीं रे राणों रयों रिझाय रे।

मीरा ऊभी गोखडे रे उंटा कसीयो भार
दाव छोडयों मेडतो रे सीदी पुष्कर जाय रे

जहर पीयालो राणों भेजीयो रे दयो मीरां न जाय
कर चरणा मृत पी गयी रे थे जानों यदुनाथ रे

सर्प पिटारो राणों भेजियो रे दयो मीरां न जाय
खोल पिटारो मीरां पेरीयो रे बनग्यों नोसर हार रे

राणों मीरां पर कोपियों रे सूत लयी तलवार
मारया पिराछट लागसि रे पीवर दयो पहुचाय रे

मीरां हर की लाडली रे राणों बन को ठूठ
समझाया समझयो नही रे ले ज्याति बेकुंट रे